श्री साईं बाबा जी की आरती
आरती उतारे हम तुम्हारी साईं बाबा ।
चरणों के तेरे हम पुजारी साईं बाबा ॥
वद्या बल बुद्धि, बन्धु माता पिता हो ।
तन मन धन प्राण, तुम ही सखा हो ॥
हे जगदाता अवतारे, साईं बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईं बाबा ॥
ब्रह्म के सगुण अवतार तुम स्वामी ।
ज्ञानी दयावान प्रभु अंतरयामी ॥
सुन लो वनिती हमारी साईं बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईं बाबा ॥
आदि हो अनंत त्रगुिणात्मक मूर्ति ।
सधिु करुणा के हो उद्धारक मूर्ति॥
शरिडी के संत चमत्कारी साईं बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईं बाबा ॥
भक्तों की खातरि, जनम लयि तुम ।
प्रेम ज्ञान सत्य स्नेह, मरम दयि तुम ॥
दुखयिा जनों के हतिकारी साईं बाबा ।
आरती उतारे हम तुम्हारी साईं बाबा ॥